विदेशी सहायता/ऋण से चलने वाली पेयजल परियोजनाएं

8283. श्री जगेश्वर मिश्र : क्या ग्रामीण विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश में विदेशी सहयता/ऋण से कुल कितनी पेयजल परियोजनाएं चल रही हैं,

(ख) लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या सहित उनका राज्यवार ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार भविष्य में ऐसी पेयजल परियोजनाओं पर विचार करने का विचार रखती हैं जिसमें विदेशी सहायता शामिल हो ; और

(घ) यदि हां, तो उनका तथ्य संबंधी ब्यौरा क्या है ?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई पटेल) : (क) और (ख) देश में विदेशी सहायता से ग्रामीण क्षेत्रों में परिचालित पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं के ब्यौरे और राज्यों/लाभान्वित जनसंख्या/लाभान्वित होने वाली जनसंख्या के ब्यौरे विवरण में दिए गए हैं (नीचे देखिए)।

(ग) और (घ) पंजाब, उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र उड़ीसा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल राज्यों में समेकित पेयजल आपूर्ति और पर्यावर्णीय स्वच्छता परियोजनाओं/स्वच्छता और जलापूर्ति के घटक वाली परियोजनाओं को विश्व बैंक/विदेशी सहायता से शुरू किए जाने की संभावना है ।

विवरण

क्रमांक	राज्य	चल रही परियोजना का नाम	वित्तपोषित एजेंसी	लाभान्वित/लाभान्वित होने वाली जनसंख्या की संख्या
1	2	3	4	5
1.	आंध्र प्रदेश	1. आंध्र प्रदेश–2	नीदरलैंड	7.28 लाख जनसंख्या
		2. आंध्र प्रदेश–1		0.40 लाख जनसंख्या
2.	गुजरात	1. गुजरात जल आपूर्ति 2. संतालपुर	"	1.50 लाख जनसंख्या
		2. गुजरात जल आपूर्ति 2 लाठी लिलया	"	1.02 लाख जनसंख्या
		3. गुजरात जल आपूर्ति-2 सामीहरीज	"	3.328 लाख जनसंख्या
3.	कर्नाटक	1. ग्रामीण जल सप्लाई–1	"	3.50 लाख जनसंख्या
		2. समन्वित ग्रामीण स्वच्छता एवं जल आपूर्ति परियोजना	डेनमार्क	6.65 लाख जनसंख्या
		3. कर्नाटक ग्रामीण जल सप्लाई एवं पर्यावरणीय स्वच्छता परियोजना	विश्व बैंक	48 लाख जनसंख्या

1	2	3	4	5
		4. समन्वित ग्रामीण स्वच्छता एवं जल आपूर्ति परियोजना चरण–2	डेनमार्क	55.36 लाख जनसंख्या
4.	केरल	1. नत्तीका फिरका जल आपूर्ति योजना	नीदरलैंड	4.0 लाख जनसंख्या
		2. मासा जल आपूर्ति योजना	,,	2.0 लाख जनसंख्या
		3 कुंडरा जल आपूर्ति योजना	,,	2.18 लाख जनसंख्या
		4. पावारती जल आपूर्ति योजना	,,	3.60 लाख जनसंख्या
		5. ग्रामीण पेयजल आपूर्ति परियोजना, कोलाचेरी	डेनमार्क	2.49 लाख जनसंख्या
		6. व्यापक जल आपूर्ति योजना चेक्कोडे और आस-पास की पंचायतें	,,	0.87 लाख जनसंख्या
5.	मध्य प्रदेश	जल आपूर्ति परियोजना चरण–I	जर्मनी	4.83 लाख जनसंख्या
6.	महाराष्ट्र	1. महाराष्ट्र ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना	इंगलैंड	3.05 लाख जनसंख्या
		2. महाराष्ट्र ग्रामीण जल आपूर्ति एवं पर्यावरणीय स्वच्छता परियोजना	विश्व बैंक	11.05 लाख जनसंख्या
7.	उड़ीसा	पेयजल सप्लाई परियोजना चरण–2(ख)	डेनमार्क	4.18 लाख जनसंख्या
8.	राजस्थान	1. ग्रामीण जल सप्लाई परियोजना	जर्मनी	26.0 लाख जनसंख्या
9.	तमिलनाडु	1. समन्वित ग्रामीण स्वच्छता एवं जल सप्लाई परियोजना–1	डेनमार्क	2.05 लाख जनसंख्या

1	2	3	4	5
		2. समन्वित ग्रामीण स्वच्छता एवं जल सप्लाई परियोजना –2	डेनमार्क	47.67 लाख जनसंख्या
10.	उत्तर प्रदेश	1. उत्तर प्रदेश–4 पाइप द्वारा जल सप्लाई	नीदरलैंड	3.84 लाख जनसंख्या
		2. उत्तर प्रदेश–6	,,	18.65 लाख जनसंख्या
		3. उत्तर प्रदेश–8	,,	26.01 लाख जनसंख्या

आदिवासी क्षेत्रों और दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ा जाना

8284. श्री अजीत जोगी : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को मध्य प्रदेश सरकार की ओर से घनी आबादी वाले आदिवासी क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है; और

(ग) क्या सरकार ने देश के आदिवासी क्षेत्रों तथा दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के संबंध में कोई मास्टर योजना या कोई अन्य योजना तैयार की है, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तम भाई पटेल) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण सड़कों का विषय राज्य का है और राज्य ही ग्रामीण सड़कों से संबंधित अपने कार्यक्रम तैयार करते हैं और उनको कार्यान्वित करते हैं।

ग्रामीण विकास की नई योजनाएं

8285. श्री अजीत जोगी :
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार वर्ष 1995–96 के दौरान कुछ नई ग्रामीण विकास योजनाएं शुरू करने का विचार रखती है; और

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तम भाई पटेल) (क) और (ख) वर्ष 1995–96 के दौरान अभी